NSO समूह से जुड़े स्पायवेयर ने सिविल सोसाइटी को एक बार फिर निशाना बनाया

एक तकनिकी कमज़ोरी जिससे स्पायवेयर को व्हाट्सएप के माध्यम से उपयोगकर्ता के फोन में इंजेक्ट करने की अनुमति मिली थी, को लेकर फेसबुक द्वारा घोषणा करने के पांच महीने बाद इसके बारे में और भी खबरें आ रही हैं। इन ख़बरों से यह पता चल रहा है कि किनको टारगेट किया गया और कैसे हमलों को अंजाम दिया गया।

व्हाट्सएप और सिटीजन लैब द्वारा की गई एक जांच में पता चला है कि कुल 1400+ व्यक्तियों को टारगेट किया गया था, जिनमें से 100 से अधिक सिविल सोसाइटी सदस्य (मानवाधिकार रक्षक, कार्यकर्ता, पत्रकार) के रूप में पहचाने जा चुके हैं।

जांच में हमला करने के लिए NSO ग्रुप के ख़िलाफ़ पर्याप्त सबूत मिले, जो दुनिया भर की सरकारों के लिए स्पायवेयर के एक प्रसिद्ध पेडलर हैं।

यह पहली बार नहीं है जब NSO ग्रुप स्पाइवेयर सिविल सोसायटी के सदस्यों को टारगेट करता हुआ पाया गया है। एक्सेस नाउ और अन्य एनजीओ ने NSO द्वारा बेचे जाने वाले उत्पादों के लिए मानव अधिकारों की सुरक्षा और सुरक्षा उपायों की कमी की बार-बार आलोचना की है।

आज हम जवाबदेही के लिए अपनी मांग को दोहराते हैं। सरकारों का प्राथमिक कर्तव्य है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की घटनाएं, जिनमे निजी कंपनियां शामिल हैं को वह तत्परता से रोके। इज़राइल, जहां NSO समूह का मुख्यालय है, और यू.के., जहां उसके मालिक नोवाल्पीना आधारित है, को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए जिससे आने वाले समय में मानवाधिकार उल्लंघन को रोका जा सके।

एक्सेस नाउ के जनरल काउंसल पीटर मिसेक कहते हैं "कंपनियों का भी कर्तव्य है कि वे मानवाधिकारों का सम्मान करें। और मानवाधिकार के उल्लंघन से जुड़ी हर ऐसी घटना का समाधान करना चाहिए जो उनके कारण घटित हुआ है, या जिसमें वे योगदान करते हैं, या जो उनसे जुड़े हुए है।”

इस मामले में, सीधा बोझ स्पाइवेयर विक्रेताओं पर पड़ता है ताकि वे अपने तौर-तरीके बदल सकें। लेकिन हम बड़ी प्लेटफॉर्मों से भी मांग करते हैं कि उनकी नीतियों की समीक्षा की जाए। साथ ही, उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखने, पहचान करने, जिम्मेदार बनाने, और अन्य कंपनियों द्वारा उत्पन्न खतरों को पहचानने में सिविल सोसाइटी और सरकार की सहायता के लिए प्लेटफॉर्म्स अपने कानूनी, इंजीनियरिंग, सार्वजनिक नीति, और व्यवसाय विकास टीमों को सुचारु रूप से उपयोग करें। हमलों की जांच करने, अपने उपयोगकर्ताओं को नोटिस देने और कानूनी कार्रवाई करने के लिए सिटीजन लैब के साथ काम करते हुए, व्हाट्सएप ने इस मामले में एक मजबूत मिसाल कायम की है जिसका प्रभाव पूरे सेक्टर पर पड़ेगा।

स्पाइवेयर द्वारा टारगेटेड लोगों के पास खोने के लिए सबसे अधिक तब होता है जब उनकी सुरक्षा और गोपनीयता से समझौता किया जाता है; इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना पडेगा कि दोनों - सरकारों और कंपनियों को जवाबदेह होना चाहिए कि मानवाधिकारों का हनन दुर्बलता के साथ जारी न रहे।